निष्कर्षतः भू-राजनीतिक परिवर्तन के इस चरण में भारत को जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद आदि जैसे विभिन्न मुद्दों पर कई भागीदारों के साथ मिलकर कार्य करने के दृष्टिकोण का अनुपालन करने की आवश्यकता है। इसलिए **सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास** विदेश नीति में भी प्रासंगिक है। कुछ अर्थों में, भारत में गुटनिरपेक्षता से रणनीतिक स्वायत्तता की ओर समकालीन संक्रमण केवल एक बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था में वास्तविकता को अपनाने का एक प्रयास है। **आत्मनिर्भर भारत** की तर्ज पर, भारत को अपने हितों को सुरक्षित रखने और अपनी वैश्विक आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु एक स्वतंत्र विदेश नीति अपनानी चाहिए।

2.2. भारत-नेपाल (India-Nepal)

सुर्ख़ियों में क्यों?

नेपाल में हालिया राजनीतिक संकट ने भारत के द्विपक्षीय और क्षेत्रीय हितों के लिए नेपाल में अस्थिरता के निहितार्थों के पुनर्मूल्यांकन की ओर नए सिरे से ध्यान आकर्षित किया है।

पृष्ठभूमि

- वर्ष 2015 से, जब से नेपाल ने राजशाही को समाप्त करने के पश्चात् संविधान को अपनाया है, तब से यह राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है।
- सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (NCP) के भीतर सत्ता के लिए संघर्ष के दौरान, किसी भी दल या गठबंधन के पास बहुमत नहीं होने के कारण, देश की संसद दिसंबर 2020 से दो बार भंग की जा चुकी है।
- हाल ही में, नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय ने नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा को प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त करने का आदेश पारित किया है और गत पांच महीनों में दूसरी बार भंग संसद को पुनर्बहाल किया है।
    - न्यायालय का हस्तक्षेप देश की संवैधानिक योजना में शक्ति संतुलन को परिवर्तित कर रहा है।
- नेपाल में वर्तमान राजनीतिक संकट का (जिसमें दो **प्रमुख नेताओं के बीच सत्ता संघर्ष** चल रहा है) का एक लंबा इतिहास रहा है। इस संकट को समय-समय पर चीनी कम्युनिस्ट नेताओं के हस्तक्षेप के माध्यम से काफी हद तक गोपनीय व नियंत्रित रखा गया था।
- **नेपाल में भारत के निहित हित हालिया दिनों में अत्यधिक बाधित हुए हैं:**
    - **वर्ष 2015 में मधेसियों** (नेपाल के तराई क्षेत्र में रहने वाले भारतीय मूल के लोग) और कुछ अन्य नृजातीय समूहों द्वारा नेपाली संविधान में उनके हितों की उपेक्षा किए जाने के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन के दौरान भारत-नेपाल सीमा की सीमाबंदी (blockade) की गई थी।
    - **सीमा विवाद:** भारत द्वारा मानचित्र में कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा क्षेत्रों के शामिल किए जाने के महीनों बाद नेपाल सरकार ने उन क्षेत्रों सहित 370 वर्ग कि.मी. के अतिरिक्त क्षेत्र को शामिल करते हुए एक नया मानचित्र प्रकाशित किया था। ज्ञातव्य है कि इस घटना से अब संबंध और अधिक तनावपूर्ण हो गए हैं (इन्फोग्राफिक देखें)।
- यद्यपि भारत ने पूर्व में नेपाल की घरेलू राजनीति में हस्तक्षेप किया था, परन्तु इसने नेपाल के नीति निर्माताओं की ओर से होने वाली प्रतिक्रिया को रोकने तथा राजनीतिक अशांति के संभावित प्रसार से बचने के लिए वर्तमान सत्ता संघर्ष को नेपाल का एक **"आंतरिक मामला"** बताया है।

नेपाल में स्थिरता भारत के हित में क्यों है?

नेपाल में राजनीतिक, आर्थिक या सामाजिक किसी भी रूप में स्थिरता, भारत के लिए विभिन्न कारणों से महत्वपूर्ण है, उदाहरणार्थ:

- **नेपाल की सामरिक अवस्थिति:** एक निकटस्थ पड़ोसी होने के अतिरिक्त, नेपाल भारत और चीन के मध्य एक प्राकृतिक सुरक्षा बफर के रूप में भी कार्य करता है।